option of the Government for a further period of two years

(b) Prior to his appointment as Managing Director, Food Corporation of India, he was the Chairman of M/s Vazir Sultan Tobacco Co Hyderabad and has considerable experience in marketing and in the field of management He was a member of the Board of Andhra Pradesh State Road Transport Corporation since 1964, Vice-President of Andhra Pradesh Productivity Council and a member of the Andhra Pradesh State Export Promotion Board He has attended the Administrative Staff College Henley U K in addition to having undertaken several training programmes in India He was also a member of the Directing Staff of the Staff Administrative College of India Hyderabad and an Honorary Faculty Member of the Institute of Public Enterprises Hyderabad

(c) No, Sir

Headquarters of Food Corporation of India in Delhi

5204 **Shri George Fernandes**
Shri Rabi Ray.
Shri Madhu Limaye
Shri J. H. Patel:

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state how much money has been advanced to rent the premises for the Food Corporation of India in Delhi and what is the annual rent of these premises?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasaheb Shinde) A total amount of rupees two and a half lakhs was advanced by the Food Corporation of India in two instalments The first instalment of rupees one and a half lakhs was made towards rent and is adjustable over a period of six months The second instalment of rupees one lakh carrying an interest of seven and a half per cent per annum and refundable in three equal instalments was paid towards carrying out alterations and improvements to the building The annual rent of the premises is Rs 5,40,015

Requirements of Fertilisers during 1967-68

7205 **Shri Vasudevan Nair.**
Shri C K. Janardhanan
Shri P. C Adichan

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state

(a) whether Government have made an assessment of the total fertilisers needed for the cultivation of high yielding cereals in all the States for 1967-68

(b) if so the break-up for the various States and

(c) whether Government have made arrangements to meet the demands of all the States?

The Minister of State in the Ministry of Food Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasaheb Shinde) (a) and (b) Yes Sir A statement is laid on the Table of the House [*Placed in Library* See No LT 988 67]

(c) Yes

खाद्य तथा कृषि मन्त्रालय में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के लिए आरक्षित स्थान

5206 **श्री रामचरण :**
श्री रामजी राम :

क्या खाद्य तथा कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) उनके मन्त्रालय में पिछले पांच वर्षों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय श्रेणियों के कितने तकनीकी तथा गैर-तकनीकी पद बनाये गये,

(ख) श्रेणीवार अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के लिए कितने पद आरक्षित किये गये, और

(ग) आरक्षित पदों को भरने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे है?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे): (क) से (ग) जानकारी इकट्ठी की जा रही है और मिलते ही सभा पटल पर रख दी जायगी ?

गुड़गांव के निकट दिल्ली पुलिस द्वारा चावल के ट्रक का पकड़ा जाना

5207. **श्री क० मि० मधुकर :**
श्री रामावतार शास्त्री :
श्री कामेश्वर सिंह :

क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या अंग्रेजी के दैनिक समाचार पत्र "स्टेटसमैन" के 18 जून, 1967 के अंक में प्रकाशित इस आशय का समाचार सही है कि दिल्ली पुलिस ने गुड़गांव के निकट एक ट्रक पकड़ा है जिसमे 70 क्विंटल चावल था;

(ख) क्या समय समय पर होने वाली इन घटनाओं के पीछे किसी गिरोह का हाथ है अथवा यह एक छोटी सी घटना थी, और

(ग) यदि इन घटनाओं के पीछे किसी गिरोह का हाथ है, तो सरकार द्वारा उसका पता न लगाये जा सकने के क्या कारण है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे): (क) से (ग) सूचना एकत्रित की जा रही है और प्राप्त होते ही सभा के पटल पर रख दी जाएगी।

बिहार में पम्पिंग सैटों की आवश्यकता

5208. **श्री क० मि० मधुकर :**
श्री रामावतार शास्त्री :
श्री कामेश्वर सिंह :

क्या **खाद्य तथा कृषि** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार में उपयुक्त सिंचाई व्यवस्था के लिये जिसके लिये कुछ समय पहले केन्द्रीय सरकार ने एक सर्वेक्षण किया था, 5 से 30 तक अश्वशक्ति के कितने पम्पिंग सैट चाहिए;

(ख) क्या बिहार मे इन पम्पिंग सैटों की कमी की ओर बिहार सरकार ने कभी केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया है; और

(ग) यदि हां, तो इस बारे मे क्या कार्यवाही की गई है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) केन्द्रीय सरकार द्वारा कोई विस्तृत सर्वेक्षण नही किया गया है। फिर भी भूमि की स्थिति का अध्ययन करने और प्रतिकारी उपायों का सुझाव देने के लिए अक्तूबर, 1966 मे एक केन्द्रीय दल बिहार राज्य मे गया जिसके आधार पर राज्य मे पम्प सैट लगाने के लिये लक्ष्यों में निम्न प्रकार संशोधन किया गया :

	मूल	संशोधित
व्यक्तिगत किसानों द्वारा लगाये गये डीजल पम्प सैट्स . .	1200	6000
व्यक्तिगत किसानो द्वारा लगाये गये बिजली के पम्प सैट्स .	6000	14000
सरकार द्वारा लगाये गये रिवर पम्पिंग सैट्स .	68	700

(ख) जी हां।

(ग) अधिकाधिक पम्प सैट उपलब्ध हो सकें इस बात को दृष्टि में रखते हुए भारत